इकाई-IV

15. सूरदास के पद

प्रस्तावना प्रसंग–

चिंतारहित खेलना–खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनंद।।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न

1. यह चित्र किस त्यौहार से संबंधित है?
2. इस चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. कृष्ण को माखनचोर क्यों कहा जाता है?

SCERT HIMACHAL

(1)

मैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी?
किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यों, ह्वै है लाँबी-मोटी।
काढ़त-गुहत न्हवावत जैहै, नागिनी सी भुइँ लोटी।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि, देति न माखन-रोटी।
सूर चिरजीवौ दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी।

(2)

तेरैं लाल मेरौ माखन खायौ।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूँढ़ि-ढँढ़ोरि आपही आयौ।
खोलि किवारि, पैठि मंदिर मैं, दूध-दही सब सखनि खवायौ।
ऊखल चढ़ि, सींके कौ लीन्हौ, अनभावत भुइँ मैं ढरकायौ।
दिन प्रति हानि होति गोरस की, यह ढोटा कौनैं ढँग लायौ।
सूर स्याम कौं हटकि न राखै तैं ही पूत अनोखौ जायौ।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

प्रश्न-अभ्यास

सुनिए-बोलिए

1. ऐसा हुआ हो कभी कि माँ के मना करने पर भी घर में उपलब्ध किसी स्वादिष्ट वस्तु को आपने चुपके-चुपके थोड़ा बहुत खा लिया हो और चोरी पकड़े जाने पर कोई बहाना भी बनाया हो। यह बहाना बनाना उचित था या अनुचित? कारण सहित बताइए।
2. कृष्ण माखन बड़े चाव से खाते थे। आज के बच्चे क्या खाना पसंद करते हैं? इनमें क्या लाभदायक हैं और क्या हानिकारक? चर्चा कीजिए।

पढ़िए

1. बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?
2. श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या सोच रहे थे?
3. दूध की तुलना में श्रीकृष्ण कौन से खाद्य पदार्थ को अधिक पसंद करते हैं? इसका कारण क्या रहा होगा?
4. तैं ही पूत अनोखौ जायौ- पंक्ति में ग्वालन के मन के कौन से भाव मुखरित हो रहे हैं?
5. माखन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा सा माखन बिखरा क्यों देते हैं?
6. दोनों पदों में से आपको कौनसा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों?
7. दूसरे पद को पढ़कर बताइए कि आपके अनुसार उस समय श्रीकृष्ण की उम्र क्या रही होगी?

लिखिए

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए।

1. कृष्ण की बाललीला से सामान्य बालकों की बाललीला की तुलना कीजिए और बताइए कि उनमें क्या-क्या समानताएँ हैं?
2. सभी बच्चों को अपना बचपन बिना बोझ के जीने का अधिकार है। लेकिन कुछ ऐसे भी बच्चे हैं जिन्हें खेलने-कूदने-पढ़ने की उम्र में काम करना पड़ता है। आप जानते हैं कि बाल मज़दूरी करवाना अपराध भी है। ऐसे बच्चों के लिए आप क्या करना चाहेंगे?
3. बच्चे देश का भविष्य होते हैं। ऐसा क्यों कहा जाता है?

II. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर आठ-दस वाक्यों में लिखिए।

1. यदि आप श्रीकृष्ण की टोली में होते तो उनसे क्या-क्या बातें करते?
2. बालकृष्ण की विशेषताएँ बताइए।

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

1. कविता में सूर ने दुपहर शब्द का प्रयोग किया है। इस शब्द का प्रचलित रूप दोपहर है। ऐसे ही कुछ शब्द पाठ से छाँटिये और उनके प्रचलित रूप लिखिए।
2. पाठ से कोई पाँच शब्द जिसे आप कठिन मानते हैं उनका अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़कर लिखिए।

भाषा की बात

कुछ शब्द परस्पर मिलते-जुलते अर्थवाले होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं। और कुछ विपरीत अर्थवाले भी। समानार्थी शब्द पर्यायवाची कहे जाते हैं और विपरीतार्थक शब्द विलोम, जैसे-

पर्यायवाची - चंद्रमा-शशि, इंदु, राका

विपरीतार्थक - दिन-रात, श्वेत-श्याम, शीत-उष्ण

आप भी इसी प्रकार कुछ पर्यायवाची व विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

प्रशंसा

कहा जाता है कि बचपन के दिन बड़े सुहाने होते हैं। इसे जीवन का स्वर्णकाल माना गया है। ऐसा क्यों कहा गया होगा?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

सूर के पदों को संगीतबद्ध कीजिए। उनका गायन कक्षा में मित्रों की सहायता से प्रस्तुत कीजिए।

परियोजना कार्य

सूरदास के दो अन्य पदों का संकलन कीजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के भाव के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। 2. पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ। 3. पाठ के शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में कर सकता/सकती हूँ। 4. बाल सौंदर्य के बारे में बता सकता/सकती हूँ। 5. कविताओं को संगीतबद्ध करने का प्रयत्न कर सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21